बस एक है अपना नारा जग में हो भाईचारा
नफरत को मिटाना है
यहां प्यार अमन का हमने संसार बसाना है .

सन्तों की पावन ये धरती इसकी हो रखवाली
कोई पत्ता टूट न जाए न टूटे कोई डाली
कोई टुकडे कर न पाए न अलग अलग बंट जाये
यह देश बचाना है यहां प्यार अमन का.....

गुरू पीरों का यही कथन है और इनका फरमान यही
जो भी पूजे इन्सानो को है सच्चा इन्सान वही
हम राज़ यही अपनाएं और किसी को न ठुकराएं
सबको अपनाना है यहां प्यार अमन का..... . .

ज्ञानी पुरूषों का है कहना एक प्रभु को जानो
सारे झगड़े मिट जायेंगे सही धर्म पहचानो
ये जगत है अपना सारा हर कोई प्रेमी प्यारा
कोई न बेगाना है यहां प्यार अमन ....

कायम हो सब इन्सानों में भाईचारा
मिशन हमारा यही है भाई मिशन हमारा

क्या सिख क्या ईसाई क्या हिन्दू और मुस्लिम
क्या उत्तर क्या दक्षिण क्या पूरव और पश्चिम
एक घराना हो जाये संसार ये सारा
मिशन हमारा यही है.....

कहीं भी ना दे नफरत का अव शोर सुनाई
यहां वहां ओर जहां तहां दे प्यार दिखाई
मिलके बैठे जन्नत का हर सू हो नजारा
मिशन हमारा यही है.....

मेरे दिल का तेरे दिल से ऐसा मिलन हो
अगर लगे कांटा तुझको तो मुझे चुभन हो
तेरे दुख को मेरा सुख दे सके सहारा
मिशन हमारा यही है.....

एक को जाने एक को माने एक बने सब
सारे ही इन्सान जगत में नेक बने सब
घर घर बहती जाये निर्मल ज्ञान की धारा
मिशन हमारा यही है.....

लोगो हम हैं निरंकारी नाम के हैं व्योपारी
किसी से वैर नहीं है कोई भी गैर नहीं है .

जहां में कोई नहीं दुश्मन सभी से भाईचारा है
हमारा राम हर जा है. जगत सारा हमारा है
यहां नफरत नहीं बिलकुल. सिर्फ बस प्यार प्यार है
प्यार प्यार है प्यार प्यार है
लोगो हम हैं .....

हमारा गांव बेगमपुर. हमारा शहर अल्लाह है
ना डर है न फिकर कोई. खुदा के हाथ पल्ला है
हरदेव गुरू पूरा है. हमारा माई बाप है
माई बाप है माई बाप है
लोगो हम है .....

ना झगडा है जुबानों का. ना झगड़ा है निशानो का
ना झगडा जात पातों का. देश है ये इन्सानों का
गॉड अल्लाह राम वाहेगुरू. कमल ये पास पास है
पास पास है पास पास है .

तर्ज ः ये मेरा प्रेम पत्र पढकर.....

ना हिन्दु, न सिक्ख ईसाई, ना हम मुसलमान हैं,
मानवता है धर्म हमारा, हम केवल इन्सान हैं,
हम हैं सेवादार, हम हैं सेवादार, हम हैं सेवादार, हम हैं सेवादार।

फांद चुका है मिशन हमारा, देशों की सरहदों को -२
तोड चुका है प्यार हमारा,जात मजहब की हदों को -२
पीर मेरे का सुन लो लोगो, आज यही ऐलान है,
इस दुनियां में बसने वाला, हर कोई एक समान है,
अपने हैं अंजील व गीता, अपने वेद कुरान हैं,
मानवता है धर्म हमारा, हम केवल इन्सान हैं,
हम हैं सेवादार -४।

कुल दुनियाँ से न्यारा लोगो, मिशन मेरा निरंकारी है - २
कुल दुनियां से प्यार है अपना, कुल दुनियां से यारी है -२
सन्त सिपाही हैं हम सारे, सबके सेवादार भी हैं,
वक्त पडे तो देश की खातिर, देश के पहरेदार भी हैं,
राम, मोहम्मद, ईसा नानक, सब ही पीर महान हैं,
मानवता है धर्म हमारा, हम केवल इन्सान हैं,
हम हैं सेवादार -४।

प्यार अमन का अमर सन्देशा, घर घर में पहुंचायेंगे -२,
ज्ञान का दीपक हाथ में लेकर, आगे बढते जायेंगे -२,
गुरु बचन है ज्ञान का दीपक, इसके हम परवाने हैं,
सच्चाई की वर्दी पहने, हम तो प्रेम दीवाने हैं,
सेवादल की पूंजी 'साकी', मुरशद के वरदान हैं,
मानवता है धर्म हमारा, हम केवल इन्सान हैं,
हम हैं सेवादार - ४।

तर्ज : आओ बच्चो तुम्हें दिखाए झांकी.....

निरंकारी मिशन से आवाज आई
मिलजुल के रहो भाई भाई
बजे प्यार की घर घर शहनाई
मिलजुल के रहो भाई भाई

ऐसी कोशिश करते जाएं
कोई आँख न नम होने पाये
सुख देके मिलेगा सुख भाई
मिलजुल के रहो भाई भाई.....

जले मन बिरह में आग बिना
गुरू मिलता नहीं है भाग बिना
गुरू की संगत अति सुखदाई
मिलजुल के रहो भाई भाई.....

दृष्टि का भाव बने जैसा
सृष्टि का रूप दिखे वैसा
हरजीत गुरू की यही सिखलाई
मिलजुल के रहो भाई भाई ..... .

तर्ज ः प्रभु चैन की बजा दो बंसी रे..... . .